Written by कुमार सौवीर
Wednesday, 06 June 2018 12:58

:□□□□□□ □□ □□□ □□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□,□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ : □□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□ □ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□ :□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□,□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ :

□□□□□ □□□□□

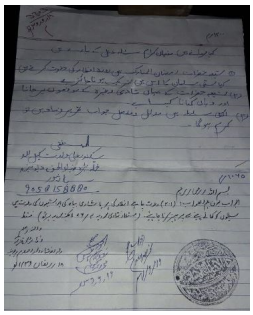

□□□□ : फत्तवों की नगरी सहारनपुर को लेकर फिर □क नया हंगामा खड़ा कर दिया है वहां के दारुल उलूम ने□ आज जारी □क नये फत्तवे पर मुफ्त्तियों ने साफ कहा है कि सुन्नी मुसलमानों को उनके यहां खाने-पीने ही नहीं, उनके यहां जाने तक से परहेज करना चाहि□□ शरीयत का हवाला देते हु□ यहां के तीन मुफ्त्तियों ने इस फत्तवे को जारी किया है□ फत्तवे में सुन्नियों को सलाह जारी है कि वे शिया मसलक को मानने वालों के यहां इफ्त्तार पार्ट्टी या शादी की दावत में जाने से परहेज किया जाना चाहि□□ गौरतलब बात है कि यह पहला मौका है जब दारूल उलूम ने धार्मिक उन्□माद बढ़ाने तथा मुसलमानों को बांटने की साजशि की है, जसिका जाहरि असर शिया और सुन्□नी समुदायों के बीच गहरी खाई करने में दखिेगा□

खुद को शुद्ध, असली और शुचितावादी वहाबी मुसलमानों के शक्ति-केंद्र कहलाने का दावा करने वाले देवबंद दारुल उलूम से जारी हु□ इस फत्तवे पर मुफ्त्तियों ने शरीयत का हवाला देते हु□ साफ कहा कि सुन्नी मुसलमानों को उनके यहां जाने में परहेज करना चाहि□□ उनके हसिाब से ऐसा करना शरीयत के खलिाफ और गैरइस्□लामी हरकत होगी□

यह पहला मौका है जब देवबंद ने मुसलमानों के बीच भी □क गहरी खाई खोद डाली है□ हालांकि ऐसा भी नहीं है कि देवबंद के फत्तवों पर ववािद नहीं खड़ा हुआ है, लेकिन कभी भी देवबंद ने सुन्□नी और शियाओं के बीच बंटवारे की कोई हरकत खुलेआम नहीं की है□ देवबंद के फत्तवे इसके पहले काफी चटखारेदार माने जाते रहे हैं□ मसलन, हस्□तमैथुन और सहवास से जुड़ी कई नजिी मामलों पर भी देवबंदी फत्तवों पर काफी वरिोध हो चुका है□ लेकिन जानकार बताते हैं कि देवबंद के इस ताजा फैसले से शिया और सुन्□नी समुदायों में काफी दूरी फैल जा□गी□ हालांकि इस फत्तवे पर मुसलमानों के बीच भी काफी प्रतक्रियिा□ आने लगी है□ कई प्रमुख मुसलमान नेताओं, लेखकों और पत्रकारों ने भी देवबंद के इस फत्तवे पर कड़ी नदिा की है□

फत्तवा का सवाल यहां के मोहल्ला बड़जयि उलहकनविासी सकिंदर अली ने उठाया था□ दारुल उलूम में स्थति फत्तवा वभिाग के मुफ्त्तियों से लखिति में सकिंदर ने सवाल पूछा था कि शिया समुदाय के लोग रमजान-उल-मुबारक में रोजा इफ्त्तार की दावत करते हैं□ इस रौशनी में सवाल यह उठाया गया था कि शियाओं के रोजा इफ्त्तार समारोहों में क्या सुन्नी मुसलमान का इसमें शरीक होना जायज है अथवा नहीं? जबकि दूसरे सवाल में पूछा है कि शिया हजरात के यहां शादी वगैरह के मौके पर जाना और वहां खाना कैसा है?

वहाबी देवबंद का फतवा , धत्त शिया कहीं के

Written by कुमार सौवीर
Wednesday, 06 June 2018 12:58

इस सवाल के जवाब में दारुल उलूम के मुफ्तियों की तीन सदस्यीय खंडपीठ ने जवाब में कहा है कि दावत चाहे इफ्तार की हो या फिर शादी की शियाओं की दावत में सुन्नी मुसलमानों को खाने पीने से परहेज करना चाहिए।

हैरत की बात यह है कि यह फतवा तब जारी हुआ है, जब पहले से ही शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच इस्लामी मसले को लेकर विवाद चला आ रहा है। ऐसे में शिया मुसलमानों के यहां दावत में जाने को लेकर पूछे गए सवाल और उस पर दारुल उलूम के मुफ्तियों द्वारा दिए गए जवाब से एक नई बहस भी छिड़ सकती है।

फतवों की राजनीति बहुत घटिया होती है। अक्सर तो ऐसे फतवे निहायत मूर्खतापूर्ण, अराजक, विषयहीन, बेहूदे और सामाजिक तन्तुओं को किसी भयावह कैंसर की तरह कत्ल कर डालने वाले हैं। उससे जुड़ी बाकी खबरों को पढ़ने के लिए कृपया नीचे दिये गये लिंक पर क्लिक कर दीजिए :-

हंगामी फतवा

2 / 2